रजिस्ट्रेषन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67/2021–23

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215, 9415074806, 9415486103

वर्ष – 45 ● अंक – 2 ● कानपुर 16 से 31 जनवरी 2023 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 214 वें जन्मोत्सव के अवसर पर

लोक सभा स्पीकर से लेकर

कैबिनेट मंत्री तक ने कार्यक्रम में भाग लिया

इलेक्ट्रो होम्योपैथी पद्धति है प्राकृतिक,

इसका कोई साइड इफेक्ट नही– लोकसभा स्पीकर

श्री ओम बिरला जी माननीय सभापति लोक सभा

इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा परिषद की ओर से दो दिवसीय उदर रोग एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा सेमीनार का समापन यू0आई0टी0 ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ, इस अवसर पर सरकार से इस पद्धति को सरकारी सेवा में शामिल किए जाने की मांग पुरजोर तरीके से उठाई गई, प्रथम दिन रात तक चले कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी थे कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी पद्धति काफी प्राचीन है, उन्होंने आगे कहा कि यह पद्धति प्राकृतिक, वनस्पति, औषधी आधार पर बनी है जिसका कोई साइड इफेक्ट नही है, आज भी लोग डॉ0 के पास जाते हैं तो ध्यान रखते हैं कि कहीं इसका कोई साइड इफेक्ट तो नहीं है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी पद्धति भारतीय चिकित्सा पद्धति के अनुसार ही है इसके इनोवेशन, रिसर्च के परिणाम सभी के लिए लाभकारी होंगे।

इस अवसर पर लाढपुरा विधायक कल्पना देवी, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ0 विजय सरदाना भी उपस्थित थे, दूसरे दिन कई सत्र आयोजित किए गए जिसमें इलेक्ट्रो होम्योपैथी की आवश्यकता कहां कहां है बताया गया, उदर रोगों की चिकित्सा पर नए रिसर्च की जानकारी भी दी गयी साथ ही रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये जिसमें चिकित्सकों ने जमकर गीत संगीत की धुन पर मैटी बंदना के साथ ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी के बारे में कविता पाठ किया, संरक्षक डॉ0 आरबी गुप्ता ने सभी का आभार प्रकट किया और कहा कि आने वाले समय में इलेक्ट्रो होम्योपैथी ही लोगों को जटिल रोगों से छुटकारा दिलाएगी, राजस्थान सरकार को चाहिए की वह इस पद्धति को राजकीय सेवा में शामिल करे।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति परिषद के अध्यक्ष हेमंत सेठिया ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की वर्तमान परिपेक्ष में महत्ती आवश्यकता है, जिस तरह की जीवनशैली लोगों की होती जा रही है, वह कई तरह से हानिकारक है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी ही वर्तमान में बिना साइड इफेक्ट के उपचार कर सकती है, साथ ही इसका खर्च भी अन्य पद्धतियों की अपेक्षा कम है, यही कारण है कि लोग अब इस दिशा में तेजी से आ रहे हैं।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सों द्वारा यहां पर वर्तमान परिपेक्ष में लोगों की बीमारियों का निदान किस तरह से इलेक्ट्रो होम्योपैथी में किया जा सकता हैं इस पर दो दिन तक गहनता से विचार विमर्श किया गया एवं जो सार निकलकर सामने आया उसे सबके बीच में साझा किया गया।

के शवरायपाटन की विधायिका चंदकांता मेघवाल ने प्रदर्शनी का उदघाटन किया इस प्रदर्शनी में इलेक्ट्रो होम्योपैथी का उद्भव विश्व में इसका प्रसार, पद्धति की विशेषताएं, उपयोग होने वाले औषधीय पौधों की जानकारी, देश और दुनिया की विभिन्न रिसर्च जनरल में प्रकाशित, इलेक्ट्रो होम्योपैथी के रिसर्च, कानून के पक्ष एवं राजस्थान राज्य में इस पद्धति के एक्ट बनने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले महानुभावों के संबंध में जानकारियां दी गयीं, श्रीमती मेघवाल ने कहा कि राज्य सरकार को इस पद्धति के बोर्ड का शीघ्र गठन करना चाहिए ताकि जनता की लाभार्थ इस चिकित्सा पद्धति का विकास किया जा सके, राजस्थान के सभी जिलों में कार्यरत चिकित्सकों ने इस सेमिनार में भाग लिया, इनके अतिरिक्त दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, बंगाल, उड़ीसा, जम्मू कश्मीर, छत्तीसगढ़ के इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों ने भी इस सेमिनार में भाग लिया, पड़ोसी देश नेपाल से इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक भी इस सेमिनार में सम्मिलित हुये।

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के प्रशासनिक कार्यालय में परम्परागत ढंग से मैटी जन्मोत्सव आयोजित हुआ।

(मैटी जयन्ती के अन्य समाचार आगे है)

बायें से कैबिनेट मंत्री EH Dr. संजय सिंह साथ में डा0 एच0एन0 लाल एवं डा0 अनिल श्रीवास्तव

आज की आवश्यकता आत्मनिर्भर होने की

भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा दिनांक 28 फरवरी, 2017 के आदेश के द्वारा जिन गैर मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों की उपयोगिता एवं उपादेयता की जाँच की जा रही थी उसने अपनी अनेक बैठकों के बाद गत 17 एवं 18 अक्टूबर की बैठक को लगभग अंतिम मानते हुये इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता का प्रकरण निस्तारित करना चाहा था, इस हेतु मंत्रालय द्वारा गठित अन्तर विभागीय समिति ने अद्यतन कार्यवाही जो जारी की है उसने उसमें उसके द्वारा निर्धारित अनिवार्य एवं वांछनीय मापदण्डों को पूर्ण होना नहीं पाया है, उस पर समय समय पर अनेकों टिप्पणियां भी की हैं परन्तु इसमें सन्तोष की बात यह है कि जारी कार्यवाही की भावना से ऐसा प्रतीत होता है कि अन्तर विभागीय समिति ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति से होने वाले कार्यों को स्वीकारा भी है जिससे यह भी प्रतीत होता है कि अन्तर विभागीय समिति के समक्ष प्रस्तुत अभिलेखों में भिन्नता है तथा प्रस्तुति अपनें हित साधने तक ही सीमित है।

वर्तमान परिस्थितियों में जितने भी प्रपोज़लकर्ता समिति के समक्ष हैं उनके सभी समूहों को, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक संगठनों / संस्थाओं एवं व्यक्तियों को दृढ़ आत्म विश्वास के साथ अपने पक्ष को अन्तर विभागीय समिति के समक्ष रखना चाहिये, अद्यतन बैठक की कार्यवाही सहित आरम्भ से ही समिति का रुख इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रति सकारात्मक बना हुआ है यदि हम यह कहें कि समिति इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता प्रदान करने के पक्ष में है तो यह अतिश्योक्ति न होगी।

प्रपोज़लकर्ताओं का यह नैतिक दायित्व बनता है कि अन्तर विभागीय समिति द्वारा अनिवार्य व वांछित मापदण्डों की पूर्ति करें, देखा जाये तो एक ओर जहाँ अन्तर विभागीय समिति में सम्मिलित सम्मानित सदस्यगण प्रपोज़लकर्ताओं से सदैव सहयोग की भावना को दृष्टिगत रखते हुये उनका मनोबल बढ़ाते रहे हैं वहीं दूसरी ओर प्रपोज़लकर्ताओं ने सम्भवतः मन बना रखा है कि जो भी अभिलेख उन्होनें अन्तर विभागीय समिति के समक्ष प्रस्तुत किये हैं वे ही पर्याप्त हैं।

ज्ञातव्य हो कि समिति में जो माननीय सदस्यगण हैं वे विद्वान ही नहीं अपितु वे सभी विषय में दक्षता रखते हैं तभी तो वे चाहते हैं कि जनहित में इलेक्ट्रो होम्योपैथी को वह स्थान मिल जाये जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों को प्राप्त है, उनका मानना है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी अन्य चिकित्सा विज्ञान की भाँति सभी मापदण्डों में खरी उतरे इसके लिये प्रपोज़लकर्ताओं को भी पूर्ण सहयोग करना होगा।

अन्तर विभागीय समिति का निश्चय है कि वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं डाल रही है किन्तु मान्यता पर तभी विचार कर सकती है जब सभी अनिवार्य एवं वाछंनीय मापदण्डों की पूर्ति होगी, अन्तर विभागीय समिति का यह भी विचार है कि राज्य सरकारें अपने–अपने क्षेत्राधिकार में जनहित में जो भी चाहें कर सकती हैं, इलेक्ट्रो होम्योपैथी की संस्थायें एवं संगठन अपने–अपने राज्यों में अपने उद्देश्यों के अनुरुप कार्ययोजना बनाकर अन्तर विभागीय समिति द्वारा निर्धारित अनिवार्य एवं वांछनीय मापदण्डों की पूर्ति समिति द्वारा वांछित के अनुरुप करने का पूर्ण प्रयास करें इसके लिये उन्हें पूरे मनोयोग से कार्य करना चाहिये।

केन्द्र सरकार की वर्तमान शिक्षा नीति के साथ–साथ रोज़गार व स्वरोज़गार की नीति के कार्यक्रमों को देखते हुये हमें अपने आप भी आत्म निर्भर होने का प्रयास करना चाहिये यदि इस पर हम चिन्तन व मनन नहीं करते हैं तो हम यर्थात की प्राप्ति करने में पीछे रह जायेंगे क्योंकि आज की आवश्यकता ही आत्म निर्भर होने की ही है

परम्परागत तरीके से धूम–धाम से अधिकारिता दिवस मनाया गया

प्रदेश में बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा शिक्षित, प्रशिक्षित व पंजीकृत चिकित्सकों को चिकित्सा व्यवसाय करने का अधिकार प्राप्त है इस हेतु उत्तर प्रदेश शासन के चिकित्सा अनुभाग – 6 ने दिनांक 04 जनवरी, 2012 को शासनादेश जारी किया था, चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने बोर्ड के सभागार में आयोजित अधिकार दिवस कार्यक्रम में उपस्थिति चिकित्सकों को अधिकार दिवस की बधाई देते हुए कहा कि इस आदेश की तिथि को ही हम अधिकार दिवस के रूप में मनाते हैं, जिसमें प्रदेश के अनेक जनपदों में कार्यक्रम होते हैं।

बोर्ड के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि काफी समय बीत जाने के उपरान्त अब अधिकारियों के रवैये में परिवर्तन आया है, अब प्रदेश के मुख्य चिकित्साधिकारी भी जिला इलेक्ट्रो होम्योपैथिक अधिकारियों के साथ सामंजस्य बनाने को तैयार दिख रहे हैं यह एक सुःखद बात है डा0 अहमद ने कहा कि सरकार का रूख इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रति सकारात्मक है और वह लगातार इस पर कार्य भी कर रही है।

श्री मिथलेश कुमार मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी एक अधिकार प्राप्त चिकित्सा पद्धति है इसके लिए उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 4 जनवरी, 2012 को आदेश जारी किया जा चुका है, इस आदेश का अनुपालन महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उ0प्र0 के पत्र दिनांक 2–9–2013 से क्रियान्वित हो रहा है परन्तु प्रदेश का इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक अभी भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं है, फलतः वह अभी भी स्वयं को सहज महसूस नहीं कर रहा है जबकि उन्हें चिकित्सा व्यवसाय करने हेतु पूर्ण शासकीय आदेश प्राप्त है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सर्वश्री डा0 संजय कुमार द्विवेदी, डा0 राम औतार कुशवाहा, डा0 वाई आई0 खान, डा0 अरोड़ा, डा0 इकबाल अन्सारी, मो0 नसीम, श्रीमती शाहीना इदरीसी श्री जफर इदरीसी, श्री शुभम आदि उपस्थित हुये तथा अपने अपने विचार व्यक्त किये, अधिकारिता दिवस से सम्बन्धित कार्यक्रम के छाया चित्रों को पेज 5 पर स्थान दिया गया है।

हमीरपुर– इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रभारी अधिकारी EH Dr. गणेश सिंह ने अधिकारिता दिवस पर कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सकों को प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी विधा से चिकित्सा व्यवसाय करने का पूर्ण अधिकार है कार्यक्रम का प्रारम्भ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक डा0 काउण्ट सीजर मैटी को स्मरण कर किया गया। इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के बुन्देलखण्ड प्रभारी डा0 नरेन्द्र भूषण निगम ने कहा कि आज का दिन हम सब के लिए गौरव का दिन है अब आवश्यकता है कि हम अपने अधिकारों को समझें और पूर्ण रूपेण अधिकार के साथ कार्य करते हुए जनता की सेवा करें व जन स्वास्थ्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

डा0 मानसी ने अधिकार दिवस के अवसर पर कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सक 4 जनवरी से 11 जनवरी तक अधिकारिता सप्ताह मानते हुए जनता के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगा कर अपनी पहचान भी बना सकते हैं।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये बुन्देलखण्ड स्टडी सेन्टर के प्रभारी ने अधिकारिता सप्ताह कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुये कहा कि अब समय आ गया है कि हम अपनी क्षमता का परिचय दें और विधि सम्मत ढंग से व्यवस्थित होकर कार्य करें।

इस अवसर पर अंकुर निगम, डॉ0 चन्द्रभूषण निगम, डॉ0 प्रियंका, डॉ0 रिया ओमर, डॉ0 रजनीश खरे, डॉ0 सफी, डॉ0 मुनीष गुप्ता, डॉ0 राजपाल सिंह, डॉ0 विपासा, डॉ0 मनु यादव समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

लखीमपुर– 4 जनवरी 2012 को उ0प्र0 सरकार के चिकित्सा अनुभाग–6 से एक आदेश जारी हुआ जिसमे मो0 हाशिम इदरीसी चेयरमैन बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के द्वारा भारत सरकार के नियमों का पालन करते हुये शिक्षा, चिकित्सा, रजिस्ट्रेशन, अनुसंधान एवं विकास का कार्य किया जाता है आदि का उल्लेख करते हुये बोर्ड से पंजीकृत चिकित्सकों को चिकित्सा करने का अधिकार दिया गया है एवं भविष्य में विनियमित करने का अश्वासन भी सरकार ने दिया है उक्त जानकारी मां सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इनस्टीट्यूट लखीमपुर खीरी के प्राचार्य डॉ0 राकेश शर्मा ने दिया।

इनस्टीट्यूट में बड़ी धूमधाम से अधिकारिता दिवस मनाया गया। इनस्टीट्यूट के प्राचार्य डॉ0 राकेश शर्मा ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक डॉ0 मैटी के चित्र पर माल्यार्पण किया और प्रबंधिका डॉ0 संजीता शर्मा ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया इस अवसर पर चिकित्सक अमित विश्वकर्मा, मीरा मिश्रा, किरन गुप्ता, अंशिका गुप्ता, देवेश त्रिवेदी, चंदा देवी, अभिषेक कुमार, दिव्यांश श्रीवास्तव, प्रतिक्षा वाजपेई, रूबी नाज, शुभांगी पाण्डेय, अर्चना विश्वकर्मा आदि ने सहभागिता की, कार्यक्रम का संचालन उत्कर्ष शर्मा ने किया।

الیکٹروہومیوپیتھک اسٹڈی سنٹر پر یوم حقوق منایا گیا

सोसाइटीज़ रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के अधीन अखिल भारत स्तरीय पंजीकृत राष्ट्रीय संगठन

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक पद्धति विकास एवं अनुसंधान संस्थान

प्रशा0 कार्या0 : इलेक्ट्रो होम्योपैथिक केन्द्र

127/204 "एस" जूही, कानपुर–208014

उद्देश्य

1– इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति का प्रचार प्रसार करना, उसके विकास एवं अनुसंधान हेतु कार्य करना।

2– राज्य एवं केन्द्र सरकार की पूर्व अनुमति से चिकित्सा,स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा, आयुष तथा खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की जनोपयोगी योजनाओं का प्रचार एवं प्रसार करना तथा प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु जागरूकता अभियान चलाकर योगदान करना तथा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक पद्धति के विकास एवं अनुसंधान हेतु सम्बन्धित विभागों से सहयोग प्राप्त करना।

3– इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के विकास हेतु शिक्षा संस्थाओं को स्थापित करना या अन्य संस्थाओं को सहयोग करना।

4– अनुसंधान शालाओं की स्थापना करना, चलाना व उनकी सहायता करना।

5– विभिन्न अनुसंधान संस्थाओं, परिषदों एवं केन्द्रों से इलेक्ट्रो होम्योपैथिक पद्धति में अनुंसधान हेतु समन्वय स्थापित करना।

मो0 हाशिम इदरीसी
मुख्य कार्यकारी

शाहीना इदरीसी
कार्यकारी विकास

संजय कुमार द्विवेदी
कार्यकारी अनुसंधान

मिथलेश कुमार मिश्रा
सह कार्यकारी विकास

अतीक अहमद
सह कार्यकारी अनुसंधान

मारिया इदरीसी
सह कार्यकारी अनुसंधान

शिव कुमार
सह कार्यकारी विकास

प्रेम लाल द्विवेदी
शाषी सदस्य, म0प्र0

रवि शंकर दुबे
शाषी सदस्य, बिहार

राज कुमार प्रसाद
शाषी सदस्य, झारखण्ड

संजीव कुमार सिंह
शाषी सदस्य, छत्तीसगढ़

किशन चन्द्र रक्षावत
शाषी सदस्य, राजस्थान

इला सैनी
शाषी सदस्य, हरियाणा

मो0 इदरीस खाँ
शाषी सदस्य, (केन्द्रीय) दिल्ली

मो0 ज़फ़र इदरीसी
वित्त नियंत्रक

पूरे देश ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक काउण्ट सीज़र मैटी का जन्म दिन मनाया

रायबरेली

इलेक्ट्रो, होम्योपैथी के आविष्काराक डॉ0 काउन्ट सीजर मैटी का 214 वॉ जन्म दिवस आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथी इन्स्टीट्यूट छजलापुर में धूमधाम से मनाया गया तथा उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उपास्थित चिकित्सकों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

उक्त अवसर पर इन्स्टीट्यूट के प्राचार्य डॉ0 पी0 एन0 कुशवाहा ने कहा कि डॉ0 काउन्ट सीजर मैटी का जन्म 11 जनवरी 1809 को बोलोग्ना इटली में बहुत बड़े जमींदार परिवार में हुआ था। उनको शिक्षा दीक्षा उच्च कोटि की होने के कारण दलितों एवं गरीबों के प्रति अदाम्य प्रेम था इसलिए उन्होनें चिकित्सा सेवा का वृत लिया और उन्होंनें जड़ी बुटियों से निर्मित अर्क के रूप में इलेक्ट्रो होम्योपैथी का जन्म दिया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माकपा के जिलामंत्री रामदीन विश्वकर्मा ने थल सेना से रिटायर हवलदार श्री रमेश कुमार तिवारी 76 वर्षीय छात्र इलेक्ट्रो होम्योपैथी को सम्मानित किया और कहा कि इतनी उम्र में उक्त पैथी से शिक्षा ग्रहण कर चिकित्सा सेवा का वृत लेना उनसे प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

उक्त अवसर पर के0के0 श्रीवास्तव, त्रिलोक सिंह जनपद प्रभारी डॉ0 रमेश कुमार द्विवेदी, राजेन्द सिंह, डॉ0 राम पाल, राम प्रताप यादव, राम विशाल, रवीन्द कुमार, सत्यपाल वर्मा, सुनील कुमार, रामचन्द्र कुशवाहा,डॉ0 रामलाल, कालीशंकर आदि चिकित्सक उपस्थित रहे।

हमीरपुर

इलेक्ट्रो होम्योपैथी धर्मार्थ चिकित्सालय में डॉ0 काउन्ट सीजर मैटी के 214वें वर्षगांठ के अवसर पर बोलते हुये बुन्देलखंड प्रभारी डॉ0 नरेन्द भूषण निगम ने कहा कि इलेक्ट्रोहोम्योपैथी सर्वमान्य है बस आवश्यकता है इस पैथी पर ईमानदारी से काम करने की। उन्होंने कहा कि इस पैथी में असाध्य रोग पूरी तरह ठीक हो रहें है, इसके सबूत केन्द्र व राज्य सरकार को दिये जा चुकें है।

डॉ0 निगम ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के युग में यदि हमें जीवित रहना है तो अन्य पद्धतियों की भाँति इसमें भी कार्य करना होगा। इसी क्रम में डॉ0 मानसी ने कहा है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की औषधियां हानिरहित हैं। यह रोगी के शरीर में रक्त और रस को शुद्ध करके रोग को जड़ से समाप्त करती हैं। इस पैथी में दवाओं का निर्माण वनस्पतियों से होता हैं न कि केमिकल से। इसलिये लोगों का विश्वास इलेक्ट्रोहोम्योपैथी की ओर लगातार बढ़ता जा रहा है। जिला प्रभारी अधिकारी डॉ0 गणेश सिंह ने कहा है कि इलेक्ट्रोहोम्योपैथी चिकित्सक किसी के दबाव में न रहें, अपनी प्रैक्टिस स्वतंत्र रूप से जारी रखें। उनके साथ बोर्ड लखनऊ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। डॉ0 स्वाती ने भी अपने विचार रखे।

जौनपुर

जनपद के मिश्रिरपुर पानदरीबा, मल्हनी पड़ाव स्थित एकमात्र इलेक्ट्रोहोम्योपैथिक महाविद्यालय के द्वारा डॉ0 काउन्ट सीजर मैटी का 214वीं अवतरण दिवस बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। जो मौर्य होम्योहाल बदलापुर पड़ाव पर एक संगोष्ठी के उपरान्त संपन्न हुआ इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ0 राजेश विश्वकर्मा सै.नि. (अधिकारी इलेक्ट्रोहोम्योपैथिक) पीलीभीत रहे। गोष्ठी के संचालक महाविद्यालय के प्रबंधक एवं डॉ0 प्रमोद कुमार मौर्य रहे तथा अध्यक्षता इलेक्ट्रोहोम्योपैथिक जिला पंजियन अधिकारी डॉ0 शैयद नदीम हुसैन ने की। इस अवसर पर केक काटकर व मिठाईयां बाटकर मैटी का जन्मदिन मनाया गया। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में कहा कि मैटी इलेक्ट्रोहोम्योपैथी की दवाइयों के कुशल ज्ञाता थे। जिन्होनें इसे एक सापेक्ष व सही दिशा दी जिसका लाभ आज देश विदेश के मरीज ले रहें है विशिष्ट अतिथि डॉ0 शैलेन्द कुमार वर्मा अपने सम्बोधन में कहा कि डॉ0 मैटी का जन्म 11 जनवरी 1809 ई0 को इटली के बोलोग्ना शहर में हुआ था। उन्हें वर्ष 1869 ई0 में पोप पाइस 9वें ने उनको उनके कार्यो को देखते हुये इलेक्ट्रो होम्योपैथिक कालेज रोम में चलाने की अनुमति दे दी। तथा उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अंत में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला पंजियन अधिकारी डॉ0 शैयद नदीम हुसैन ने लोगों से अपने संस्थान का पंजीयन कराने पर बल दिया। और कहा कि सभी जल्द से जल्द अपना पंजीयन करा लें। समापन डॉ0 संदीप यादव ने किया।

उक्त अवसर पर डॉ0 आर के चित्रवंशी, डॉ0 माधुरी चित्रवंशी, डॉ0 अशोक विश्वकर्मा, अजय कुमार प्रजापति, शशिकांत सिंह, शुभम सिंह उपस्थित रहे।

घाटमपुर

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के जनक काउन्ट सीजर मैटी का जन्मदिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया, ज्ञात रहे भारत के कई राज्यों में संचालित इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा संबंधी इलाज किया जा रहा है। इलाज से रोगियों को जटिल समस्या से निजात भी मिल रही है। डॉ0 देवनंद सागर ने बताया कि इलेक्ट्रोहोम्योपैथी चिकित्सा जगत की नीव डालने वाले डॉ0 काउन्ट सीजर मैटी कई सौ वर्षों पहले इलेक्ट्रो होम्योपैथी विधि से इलाज करने की शुरूआत की थी, इलाज की खास बात यह है कि किसी भी तरह का संक्रमण नही होता है। इलाज और सही निर्देशों का पालन करने से मरीजों की जटिल से जटिल बीमारी को समाप्त किया जा सकता है। उ0प्र0 के कानपुर देहात इकाई के कोरिया में डॉ0 रश्मी के द्वारा मरीजों का कुशल इलाज किया जा रहा है, और जल्द ही बड़े स्तर में क्लीनिक और अस्पताल खोलकर लोगों का इलाज करवाया जाएगा, बुधवार को इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डॉ0 काउन्ट सीजर मैटी का जन्मदिवस कोरिया इकाई में बड़े ही धूम धाम से मनाया गया।

मऊ

11 जनवरी 2023 को यलीदपुर स्थित इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के जनक डॉ0 काउन्ट सीजर मैटी का 214वां जन्मदिवस मनाया गया। इस अवसर पर 4 जनवरी से 11 जनवरी तक नि:शुल्क इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का भी आयोजन रहा है। शिविर के अंतिम दिन लगभग 127 मरीजों की जॉच कर उन्हें नि:शुल्क इलेक्ट्रोहोम्योपैथिक दवाएं भी दी गई। डॉ0 अयाज अहमद, डॉ0 अबुलकैश, डॉ0 मुहम्मद सलमानी, डॉ0 नन्द लाल,डॉ0 नसीम अख्तर ने शिविर में अपनी सेवाएं दी। इस अवसर पर डॉ0 मुहम्मद सलमानी, डॉ0 नन्दलाल, डॉ0 अबुलकैश, डॉ0 अयाज अहमद व डॉ0 नसीम आदि

बदायूँ

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डॉ0 काउन्ट सीजर मैटी की 214वीं जयंती समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम कलेवर माइंड कोचिंग में डॉ0 गीतम सिंह की अध्यक्षता में हुआ। इस मौके पर डॉ0 काउन्ट सीजर मैटी जी के जीवन दर्शन का वर्णन करते हुये डॉ0 बीडी गुप्ता ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की चिकित्सा बहुत कारगर साबित हुयी है, दोषरहित है, सभी को अपनाने की जरूरत है, डॉ0 गीतम सिंह ने कहा कि वर्तमान में डॉ0 काउन्ट सीजर मैटी की चिकित्सा पद्धति ने अनेक गंभीर से गंभीर रोगों पर सफलता प्राप्त की है। अनेक राज्यों में मान्यता मिल चुकी है। वह दिन अब दूर नही है कि जल्द मान्यता मिलेगी। आज केक काटकर मैटी जयंती मनाई गयी, साथ ही उपस्थित चिकित्सकों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर डॉ0 सुशील सिंह, डॉ0 रशीद हुसैन, डॉ0 ग्रीश चंद गोला, डॉ0 मो0 हबीब कादरी, डॉ0 शहाआलम गाजी, डॉ0 हकीम सिंह, डॉ0 देवेन्द्र प्रसाद वर्मा आदि उपस्थित रहे।

जालन्धर

नील एजंसी जालंधर में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के भीष्म पितामा डॉ0 काउन्ट सीजर मैटी का 214वां जन्मदिन डॉ0 जसबीर सिंह अजनोहा के नेतृत्व में पूरे राज्य से आए इलेक्ट्रोहोम्योपैथी के माहिर डाक्टरों की ओर से बहुत हर्ष उल्लास से मनाया गया इस अवसर पर विशेष तौर पर इलेक्ट्रोहोम्योपैथी कालेज जलंधर के एम डी डॉ0 जै0एस0 चावला शामिल हुये इस अवसर पर उपस्थित सभी डाक्टरों की ओर से पहले केक काटा गया उपरान्त इस अवसर पर आयोजित समागम में पहुंचे डाक्टरों की ओर से इलेक्ट्रोहोम्योपैथी बारे अपने अपने विचार प्रस्तुत किए और इस अवसर पर विशेष तौर पर पहुंचे डाक्टर चावला और अन्य प्रमुख लोगों को सम्मानित किया गया इस अवसर पर डॉ0 जसबीर कौर, डॉ0 सुरिन्दर कुमार, डॉ0 नरिन्दर त्रिवेदी, डॉ0 संजय मल्होत्रा, डॉ0 भुपिन्दर सिंह, डॉ0 रणजीत सिंह, डॉ0 परमजीत सिंह राय, डॉ0 हरप्रीत, डॉ करनवीर कलसोतरा, डॉ0 साहिल आदि से अतिरिक्त राज्य से इस पैथी से सम्बन्धित डाक्टर उपस्थिति थे।

फतेहपुर

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डॉ0 काउन्ट सीजर मैटी की जयंती धूमधाम से मनाई गई। मेडिसिन बोर्ड के खंभापुर स्थित कार्यालय में हाजी अनीस उल्ला सिद्दीकी ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्जवलित किया। बताया कि यह एक स्वतंत्र चिकित्सा पद्धति है। इस मौके पर डॉ0 वकील अहमद, डॉ0 हरी प्रसाद गुप्ता आदि मौजूद रहे।

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0एच0 इदरीसी एवं गुलजार-ए-हिन्द की प्रधानाचार्या श्रीमती शाहिना इदरीसी फोटो -गजट

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 214 वें जन्मोत्सव के अवसर पर हिमांचल प्रदेश से आये हुये पादरी विक्टर खेजी ने बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के ऑडिटोरियम में उपस्थित जनों को सर्व प्रथम ईशु मसीह की प्रर्थना कराई तत्पश्चात परम्परानुसार केक काटा गया।

बी0ई0एच0एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर-208014 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर-208014 से प्रकाशित किया।

धूम–धाम से मनाया गया अधिकारिता दिवस पेज 2 से आगे

चित्र 1 में बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन द्वारा अधिकारिता दिवस के अवसर पर डा0 काउण्ट सीजर मैटी को माल्यार्पण किया गया

चित्र 2 में गुलजार –ए– हिन्द तालीमी मरकज गाँधी नगर शुक्लागंज उन्नाव की प्रधानाचार्या श्रीमती शाहीना इदरीसी महात्मा काउण्ट सीजर मैटी को माल्यार्पण करते हुये – छाया गजट